विषय सूची

क्रम संख्या	विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
01	हिन्दी	2
02	अंग्रेजी	5
03	संस्कृत	7
04	सामाजिक विज्ञान	10
05	विज्ञान	16
06	गणित	20
07	गृह विज्ञान	24
08	संगीत	25
09	रंजन कला	28
10	व्यापारिक तत्व	28
11	बहीखाता एवं लेखाशास्त्र	28
12	टंकण	29
13	कृषि	30
14	सूचना प्रौद्यौगिकी	32

2009–2010

Class - IX

हिन्दी

एक प्रश्नपत्र : **समय – 3 घंटे** **पूर्णांक (70+30) 100**

		अंक
(क)	अपठित गद्यांश	10
(ख)	रचना	15
(ग)	व्यावहारिक–व्याकरण	10
(घ)	पाठ्य–पुस्तक : क्षितिज भाग–1	24
	पूरक–पुस्तक : कृतिका भाग–1	06
(ङ)	मौखिक–अभिव्यक्ति	05
(च)	संस्कृत पाठ्य–पुस्तक	20
(छ)	वाक्य रचना/व्याकरण	06
(ज)	मौखिक–अभिव्यक्ति	04

खण्ड क – अपठित गद्यांश **10 अंक**

1. एक गद्यांश : (i) साहित्यिक गद्यांश (300 से 350 शब्द) **10**

उपर्युक्त गद्यांश में शीर्षक का चुनाव, विषय वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर पाँच अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

खण्ड ख – रचना **15 अंक**

2. (i) संकेत बिन्दुओं पर आधारित किसी एक आधुनिक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध–लेखन 10

3. (ii) संवाद–लेखन/पत्र लेखन 5

खण्ड ग – व्यावहारिक – व्याकरण **10 अंक**

4. (i) शब्द निर्माण (उपसर्ग–प्रत्यय) विशेषण, लिंग और वचन का विशेषण पर प्रभाव 2
5. (ii) कारक चिह्नों का प्रयोग 2
6. (iii) वाक्य–रचना–वाक्य के अंग, अर्थ के अनुसार वाक्य–भेद 2
7. (iv) पर्यायवाची, विलोम, श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द 2
8. (v) मुहावरे–वाक्य प्रयोग 2

खण्ड घ – पाठ्य पुस्तक **30 अंक**

क्षितिज भाग - 1 **(12+12) 24 अंक**

9. (i) दो में से किसी एक काव्यांश पर अर्थ–ग्रहण संबंधी तीन प्रश्नों में से दो प्रश्न 3+3 =6
10. (ii) निर्धारित कविताओं में से तीन बोधात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न 3+3 =6
11. (iii) दो में से किसी एक गद्यांश पर आधारित अर्थ ग्रहण संबंधी तीन प्रश्न 2+2+2 =6
12. (iv) गद्य पाठों पर आधारित तीन में से दो बोधात्मक प्रश्न 3+3 =6

खण्ड ङ – पूरक पुस्तक कृतिका भाग–1 **06 अंक**

13. पूरक पुस्तक चार में से तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न 2+2+2 =6

मौखिक अभिव्यक्ति हिन्दी **05 अंक**

खण्ड च – पाठ्य–पुस्तक संस्कृत विनोदिनी भाग -1 **20 अंक**

(i) गद्य अनुच्छेद पर आधारित चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर 2+2+2 =6
(ii) पद्य अनुच्छेद पर आधारित तीन में से दो प्रश्नों के उत्तर 2+2 =4
(iii) पाठ्य–पुस्तक पर आधारित पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर 2+2+2 =6

(iv) दिए गये शब्दों की सहायता से वाक्य पूरा करना
(छः प्रश्नों में से चार वाक्य बनाना) 1+1+1+1 =4

खण्ड छ — संस्कृत व्याकरण **06 अंक**

(i) स्मृति आधारित प्रश्न/श्लोक/वाक्य रचना

(ii) **{संधि, स्वर संधि (दीर्घ, वृद्धि एवं गुण संधि) समास, कारक, उपसर्ग}**
चार प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर 2+2+2 =6

खण्ड ज — मौखिक अभिव्यक्ति हिन्दी तथा संस्कृत **04 अंक**

1. सुनना

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप, वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को जानना

2. बोलना

(i) भाषण, वाद—विवाद
(ii) गति, लय, आरोह—अवरोह सहित सस्वर कविता—वाचन
(iii) वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ
(iv) कार्यक्रम—प्रस्तुति
(v) कथा—कहानी अथवा घटना सुनना
(vi) परिचय देना, परिचय प्राप्त करना
(vii) भावानुकूल संवाद—वाचन

वार्तालाप की दक्षताएँ

टिप्पणी : वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होगा। परीक्षक को सुनते—सुनते परीक्षार्थी अलग कागज पर दिये हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति बहुविकल्पीय अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं।

वचन (बोलना) का परीक्षण

1. चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन : इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. किसी चित्र का वर्णन : (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं।)
3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।
4. कोई कहानी सुनना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी :

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाय।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हों जैसे : कोई चुटकुला या हास्य—प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गये सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी प्रश्न पत्र प्रारम्भ कर दें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

श्रवण (सुनना)	वाचन (बोलना)
1. विद्यार्थी में परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1. शिक्षार्थी केवल अलग–अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
2. छोटे सम्बद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	2. परिचित संदर्भो को केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
3. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है, अशुद्धियाँ करता है जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।	3. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियाँ करता है जिनमें प्रेषण में रुकावट नहीं आती।
4. दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है।	4. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रुकावट नहीं आती।
5. जटिल कथनों के विचार–बिन्दुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है, उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	5. उद्देश्य और श्रोत के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

निर्धारित पुस्तकें :

1. क्षितिज–भाग 1
2. कृतिका–भाग 1
3. संस्कृत पाठ्य–पुस्तक – **विनोदिनी भाग -1**

निम्नलिखित पाठों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा :–

1– क्षितिज–भाग–1–
1. नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया।
2. 'वाख'
3. प्रेमचन्द के फटे जूते

2– कृतिका–भाग–1–
1. मेरे संग की औरतें
2. किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया